



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 220]  
No. 220]

नई दिल्ली, मंगलवार, जून 3, 1986/ज्येष्ठ 13, 1908  
NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 3, 1986/JYAISTHA 13, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

उद्योग मंत्रालय  
(औद्योगिक विकास विभाग)  
नई दिल्ली, 3 जून, 1986  
आदेश

का. प्रा. 316 (अ)/18क/18क/आई डी आर. ए./86—  
केन्द्रीय सरकार ने भारत सरकार के भूतपूर्व औद्योगिक विकास मन्त्रालय के  
आदेश स का प्रा. 128(अ)/18क/18क/आई डी. आर. ए./73.  
तारीख 5 मार्च, 1973 द्वारा न्यविनयो के तिकाय को (जिसे इसमें  
हमके पश्चात् प्राधिकृत व्यक्ति कहा गया है) मैमर्स कृष्णा सिलिकेट एंड  
ग्लास वर्क्स लिमिटेड, कलकत्ता नामक औद्योगिक उपक्रम का सम्पूर्ण  
प्रबन्ध 5 मार्च, 1973 से पांच वर्ष की अवधि के लिए ग्रहण करने के  
लिए प्राधिकृत किया था,

और भारत सरकार ने उद्योग मन्त्रालय (औद्योगिक विकास विभाग)  
के आदेशों द्वारा उक्त आदेश की अवधि समय-समय पर 4 जून, 1986  
तक, जिसके अन्तर्गत यह तारीख भी सम्मिलित है, की अग्रोतर अवधि के  
के लिए बढ़ा दी गई थी।

और केन्द्रीय सरकार ने, अपनी यह राय होने पर कि सर्वसाधारण के  
हित में यह समीचीन है कि प्राधिकृत व्यक्ति औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध  
करना जारी रखे उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951  
(1951 का 65) की धारा 18 क की उपधारा (2) के परन्तुक क  
अधीन एक आदेश कलकत्ता उच्च न्यायालय को किया था, जिसमें यह  
प्रार्थना की गई थी कि ऐसा प्रबन्ध तारीख 4 जून, 1987 तक की और  
अवधि के लिए जारी रखा जाए,

और उच्च न्यायालय ने अपने तारीख 3 जून, 1986 के आदेशानुसार  
प्राधिकृत व्यक्ति को उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध 4 जून, 1987  
तक की और अवधि तक जारी रखने के लिए अनुज्ञात कर दिया था;

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 18क के साथ पठित  
धारा 18 क की उपधारा (2) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का  
प्रयोग करते हुए प्राधिकृत व्यक्ति को निदेश देनी है कि वह तारीख  
5 जून, 1986 से 4 जून, 1987 तक की और अवधि के लिए उक्त  
औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध करना जारी रखे।

[का. म. 2(1)/80-मो. यू.एम.]  
अ. वि. गोकक, सयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY  
(Department of Industrial Development)  
New Delhi, the 3rd June, 1986

ORDER

S O 316(E)/18FA/18AA/IDRA/86.—Whereas by the  
Order of the Government of India in the late Ministry of  
Industrial Development No S O. 128(E)/18FA/18AA/IDRA/  
73, dated the 5th March 1973, the Central Government had  
authorised a body of persons (hereinafter referred to as the  
authorised person) to take over the management of the  
whole of the industrial undertaking known as Messrs  
Krishna Sincate and Glass Works Limited, Calcutta, for a  
period of five years from the 5th March, 1973.

And whereas the duration of the said Order was extended from time to time by the Orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) for a further period upto and inclusive of 4th June, 1986.

And whereas the Central Government being of the opinion that it was expedient in the interest of general public that the authorised person should continue to manage the said industrial undertaking, made an application under the proviso to sub-section (2) of section 18F-A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) to the Calcutta High Court praying for the continuance of such management for a further period upto 4th June, 1987.

And whereas the said High Court by its Order dated the 3rd June, 1986 permitted the authorised person to continue to manage the said industrial undertaking for a further period upto 4th June 1987.

And now in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (2) of Section 18F-A read with section 18AA, of the said Act, the Central Government hereby directs the authorised person to continue to manage the said industrial undertaking for a further period from 5th June, 1986 to 4th June, 1987.

Hf. No. 2(1)/80-CUS]

A V GOKAK, Jr Secy